Date: / /

3- सामाजिक उद्देश्य - (Social objectives)

4- सामुदायिक उद्देश्य (communal objectives)

5- सांस्कृतिक उद्देश्य (cultural objectives)

शैक्षिक उद्देश्य

प्रसार शिक्षा के शैक्षिक उद्देश्यों के अंतर्गत मनुष्य के ज्ञान, मनोवृति तथा कार्य क्षमता में परिवर्तन लाना लक्षित है। ज्ञान के विकास हेतु मनुष्य को सूचनाओं की आवश्यकता होती है।

इस सूचनाओं से स्वयं को जोड़ना उन्हें ग्रहण करना तथा उनका उपयोग करना आत्मोन्नति के महत्वपूर्ण चरण है।

ज्ञान-स्तर बढ़ाने, मनोवृति में परिवर्तन लाने के साथ-2 प्रसार शिक्षा का यह भी उद्देश्य रहता है। कि वह व्यक्ति की कार्यक्षमता या कार्य-कौशल्य को विकसित करे कार्य-सम्पादन में दक्षता का कोई अन्तिम बिन्दु नहीं होता। यह एक उत्तरोत्तर विकसित होने वाली कला है। जब कोई व्यक्ति अपनी कार्य क्षमता नहीं बढ़ाता तो वह लकीर का फकीर बन जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर तारवा

Date: / /

भौतिक उद्देश्य →

कृषि प्रसार के भौतिक उद्देश्यों का क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत हैं। ग्रामीणों का जीवन स्तर ऊँचा उठाने उनके लिए गाँव में रोजगार के अवसर बढ़ाने उन्हें आर्थिक समृद्धि प्रदान करने उनके जीवन को सुखमय बनाने उन्हें आधुनिक सुख-सुविधाओं से परिपूर्ण करने के लिए निमित्त ही प्रसार शिक्षा कार्यक्रम का प्रतिपादन हुआ।

कृषि के अतिरिक्त अन्य ग्रामीण उद्योग धंधे भी परम्परागत जड़त्व के शिकार है। इनमें बढ़ईगीरी टोकरी इत्यादि बुनना कपड़े बुनना कुम्हारगीरी चर्म-उद्योग इत्यादि सम्मिलित हैं। अनेक कृषक-परिवारों के ये सह-धंधे है। प्रसार कार्य का उद्देश्य इन्हे भी समुन्नत एवं आधुनिक बनाना है।

सामाजिक उद्देश्य →

अरस्तू का कथन - आज भी उतना ही प्रचलित है।

"मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है" यह छोटा सा वाक्य व्यक्ति तथा समाज के परस्पर सम्बन्धों की व्याख्या करता है। समाज और व्यक्ति दोनो ही एक दूसरे के लिए आवश्यक है। तथा एक दुसरे पर आश्रित है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

व्यक्ति अपने आत्म-विकास के लिए समाज पर निर्भर करता है। सामाजिक प्रक्रियाओं के अन्तर्गत सहयोग सहकारिता, सहभागिता, सात्मीकरण, सहिष्णुता जैसे तत्व सह समाहित है। प्रत्येक समाज अपने सदस्यों के लिए व्यवहार के कुछ नियम निर्धारित करता है। जैसे - तत्व समाहित है

सामुदायिक उद्देश्य →

समुदाय व्यक्तियों के ऐसे समूह को कहते है। जोकि एक निश्चित भौगोलिक क्षेत्र के अन्दर जीवन व्यतीत करता है। इस प्रकार समुदाय की प्रकृति समाज से भिन्न होती है। समुदय के सदस्य एक ही संस्कृति में रहकर पारस्परिक सम्बन्धों को स्थापित करते है। 'हम' की भावना 'को एक शक्ति के रूप में मानकर, ग्रामीण विकास में इसका प्रयोग करना प्रसार कार्यक्रम का उद्देश्य है।

1- ग्रामीण मनोवृत्ति मे परिवर्तन
2- ग्रामीण नेतृत्व का विकास
3+ आत्म-निर्भरता का विकास
4- युवा शक्ति को ग्राम-विकास में सहभागिता।
5- संस्थागत एवं प्रौढ़ शिक्षा की व्यवस्था।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

Date: / /

सांस्कृतिक उद्देश्य →

टायलर के अनुसार, संस्कृति वह जटिल सम्पूर्णता है जिसके अंतर्गत ज्ञान विश्वास, कला नैतिकता, कानून प्रथा तथा अन्य क्षमताओं और आदतों का समावेश होता है। जो व्यक्ति समाज का सदस्य होने के नाते प्राप्त करता है। हर व्यक्ति किसी न किसी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। तथा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी हस्तांतरित करती है। संस्कृति द्वारा स्थापित आचार व्यवहार नैतिकता के आदर्श, विश्वास, प्रथाएँ आदि मानव - व्यवहार के लिए आदर्श मानी जाती है। संस्कृति का प्रभाव सामाजिक संगठन - व्यक्तित्व निर्माण आर्थिक दशाओं राजनीतिक व्यवस्था जैसी महत्वपूर्ण बातों पर पड़ता है। धर्म - संस्कृति का एक प्रमुख तत्व है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया